

डॉ० जॉन् इबिनेजर्

Dr. John Ebnezar



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

डॉ० जॉन् इबिनेजर्

डॉ0 जॉन् इबिनेजर् एक अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ऑर्थोपेडिक सर्जन हैं। आप कम लागत की ऑर्थोपेडिक स्वास्थ्य संबंधी देखभाल का प्रचार–प्रसार करने के उद्देश्य के साथ नए निवारक ऑर्थोपेडिक स्वास्थ्य जन–जागरूकता मापदण्डों के सृजन, उनकी संकल्पना और कार्यान्वयन की दिशा में पूर्व जोश और उत्साह के साथ कार्य कर रहे हैं। आपका नाम 2010 में शैक्षिक योग्यता के लिए और 2015 में सामाजिक सेवा के लिए दो बार गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। आप विश्व के एक मात्र ऑर्थोपेडिक सर्जन हैं जिनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दो बार दर्ज हुआ है।

2. आपका जन्म 08 मार्च,1960 को हुआ। आपने अपनी एमबीबीएस की डिग्री 1985 में और डी ऑर्थोपेडिक की डिग्री 1986 में कर्नाटक विश्व विद्यालय धारवाड से प्राप्त कीं। आपने डीएनबी/एमएनएएमएस (ऑर्थोपेडिक) 1993 में नेशनल बोर्ड से हासिल की और 2012 में सव्यास योग विश्वविद्यालय, बंगलौर से योग में पीएच.डी की डिग्री प्राप्त की। आपने विक्टोरिया हॉस्पिटल, बंगलौर मेडिकल कॉलेज में ऑर्थोपेडिक्स में वरिष्ठ विशेषज्ञ के तौर पर और देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज में ऑर्थोपेडिक्स में सहायक प्रोफेसर के तौर पर कार्य किया। आप अभिघात, स्पाइन, जरा चिकित्सा ऑर्थोपीडिक्स, स्पोर्ट्स मेडिसिन और सम्पूर्ण ऑर्थोपीडिक्स के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभायी है।

3. आप एक प्रतिभाशाली शिक्षाशास्त्री और लेखक हैं। आपने ऑर्थोपीडिक्स में लगभग 200 पुस्तकें लिखकर अपने दो विश्व रिकॉर्ड्स के साथ भारत को विश्व के मानचित्र में लाकर खड़ा कर दिया है। आप पहले और एक–मात्र ऐसे भारतीय हैं जिन्होंने पुस्तक लेखन में 2010 में गिनीज बुक और वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कराया है और ऑर्थोपेडिक्स सार्वजनिक स्वास्थ्य पर 103 पुस्तकें लिखकर दूसरा विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। आपकी पुस्तकों के इटालियन, स्पेनिश, यूके और अमेरिकन संस्करण पश्चिमी देशों में लोकप्रिय हैं। आपने ऑर्थोपेडिक्स में "जराचिकित्सा ऑर्थोपेडिक्स" के नाम से एक नई सबस्पेशैलिटी की नींव रखी जिसमें जराचिकित्सा ऑर्थोपेडिक समस्याओं का निदान किया जाता है। आप भारतीय ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष, भारतीय जराचिकित्सा ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन और ऑर्थोपेडिक ऑथर्स क्लब के संस्थापक अध्यक्ष हैं। आपकी अपनी ऑर्थोपेडिक अकादमी और एक न्यास भी है।

4. आप योग के 6 मूल अनुसंधानों में शामिल रहे हैं और आपने घुटने की संधिशोथ पर किए गए अपने कार्य के लिए सव्यास योग विश्वविद्यालय से 2012 में सर्वोत्तम अनुसंधान का पुरस्कार जीता। यह अनुसंधान अमेरिकन ऑर्थोपेडिक सर्जन्स अकादमी (एसओएस) द्वारा ओ ए नीस के नॉन–आर्थोप्लास्टी उपचार के लिए 2013 के अन्तरराष्ट्रीय दिशा–निर्देशों के प्रतिपादन का आधार है। यह अनुसंधान एक भारतीय ऑर्थोपेडिक सर्जन के लिए एक असाधारण और एकमात्र विशिष्टता है। आप पहले ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने फ्रेक्चर हीलिंग में योग से तीव्रता से सुधार के लिए प्रयास कर उसे सिद्ध किया और 2010 में बेस्ट पेपर अवार्ड प्राप्त किया। आपने 41 से अधिक राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रकाशनं और अन्तरराष्ट्रीय स्तर के समीक्षा किए गए सूचीबद्ध जर्नल्स तैयार किए हैं। आपने भारतीय योग के ब्लैंडिंग मॉडर्न ऑर्थोपेडिक्स द्वारा एक नए सम्पूर्ण ऑर्थोपेडिक्स उपचार की अगुआई की जो उन भारतीयों के लिए एक अहम वरदान है जो रिप्लेसमेंट सर्जरीज को आसानी से या तो स्वीकार नहीं करते अथवा उस पर आने वाले खर्च को वहन नहीं कर सकते।

5. आपने अपने न्यास स्वास्थ्य हैल्थ फाउंडेशन, रोटरी, इनरव्हील क्लब्स और दूसरे गैर–सरकारी संगठनों के माध्यम से बेहद सक्रिय रूप से सार्वजनिक सेवा की है। आपने 300 से अधिक निःशुल्क स्वास्थ्य–कैम्प आयोजित किए और गरीबों तथा जरूरतमंद रोगियों को निःशुल्क सब्सिडाइज्ड शल्यक्रियाएं उपलब्ध कराई। आपने ओ ए नीस के बारे में रोगियों को शिक्षित करने के उद्देश्य से एक अनूठा "सेव–योर–नीस–कम्पेन" चलाया। आपने हाल में नेपाल में आए भूकम्प में अपनी सेवाएं अर्पित की और आपके द्वारा दी गई इन स्वार्थहीन सेवाओं के लिए आपको नेपाल/कर्नाटक की सरकारों द्वारा सम्मानित किया गया है। बंगलौर में सबसे बड़ा कैंसर–सर्विक्स स्क्रीनिंग बनाकर आपने 21 जून, 2015 को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

6. आपने कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार (2010), कैम्पगौडा पुरस्कार (2011), आर्यभट्ट पुरस्कार, मदर टेरेसा राष्ट्रीय पुरस्कार, ग्लोबल मैन अन्तरराष्ट्रीय पुरस्कार, भारत का सर्वोत्तम नागरिक पुरस्कार, अन्तरराष्ट्रीय एशिया पेसिफिक पुरस्कार, भारत–नेपाल सद्भावना पुरस्कार, शांति और शिक्षा के लिए इंडियन वर्चुअल विश्वविद्यालय द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार, इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन का अन्तरराष्ट्रीय आईएनओआर–यूके पुरस्कार, रोटरी क्लब का फैमिली कम्यूनिटी सर्विस पुरस्कार सहित अनेकों पुरस्कार प्राप्त किए। आपको आईएनए, इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन और अन्य विभिन्न व्यावसायिक निकायों द्वारा सम्मानित किया गया है।

Dr. John Ebnezar

Dr. John Ebnezar is an internationally renowned orthopaedic surgeon, passionate about creating, conceptualizing, implementing preventive new orthopaedic health awareness modules with an aim to propagate low cost orthopaedic health care. He holds Guinnes World records both for the academics (2010) and social service (2015) , only orthopaedic surgeon in the world to do so.

2. Born on 8th March 1960, Dr. Ebnezar received his MBBS degree in 1985 and D'Ortho in 1988 both from Karnataka University, Dharwar; DNB/MNAMS (Orthopaedics) from National Board in 1993 and PhD in Yoga from S Vyasa Yoga University, Bangalore in 2012. He worked as a Senior Specialist in Orthopaedics at Victoria Hospital, Bangalore Medical College, and Assistant Professor of Orthopaedics in Devaraj Urs Medical College. He is specialized in trauma, spine, geriatric orthopaedics, sports medicine and pioneered Holistic Orthopaedics.

3. Dr. Ebnezar is a brilliant academician and author. He has put India on world map by authoring nearly 200 books in orthopaedics with two world records. He is the first and only Indian to hold a Guinness-World-Record in book writing (2010) and another world record of authoring 103 orthopaedic public health books. The Italian, Spanish, UK, and American Editions of his books are popular in western countries. He has founded a new subspecialty in orthopaedics called "Geriatric Orthopaedics" which deals with geriatric orthopaedic problems. He is the past Vice President of the Indian Orthopaedic Association, founder President of Geriatric Orthopaedic Association of India and Orthopaedic Author's Club. He has his own Orthopaedic Academy and Trust.

4. Dr. Ebenezer has been involved in 6 original-yoga researches and won Best Research Award from SVyasa Yoga University (2012) for his work on knee arthritis. This research is the basis for the formulations of the 2013 International Guidelines for the Non-arthroplasty treatment of OA knees by the American Academy of Orthopaedic Surgeons (AAOS), a rare and unique distinction for an Indian orthopaedic surgeon. He is the first to try and prove *Yoga accelerates fracture healing* and bagged the best paper award in 2010 and has over 41 scientific-publications in National, International peer reviewed indexed journals. He pioneered a new treatment Holistic Orthopaedics by blending modern orthopaedics with Indian Yoga, which is a great boon for Indians who do not readily accept or afford replacement surgeries.

5. Dr. Ebnezar has pursued very active public service through his trust Swaasthya health foundation, Rotary, Innerwheel clubs and other NGOs. He conducted over 300 free health-camps and provided free-subsidized surgeries for poor and needy patients. He launched a unique "Save-Your-Knees-Campaign" to educate patients with OA knees. He rendered his service in the recent Nepal Earthquake and was honoured by Nepal/Karnataka-Governments for this selfless service. He established a Guinness World Record for largest Cancer-Cervix Screening at Bangalore-Rural on 21st June 2015.

6. Dr. Ebnezar has received many awards including Karnataka Rajyotsava Award (2010), Kempegowda award (2011), Aryabhatta award, Mother Teresa National award, Global Man International award, Best Citizen of India award, International Asia Pacific Award, lndo-Nepal Sadbhavana Award, Life Time Achievement Award by Indian Virtual University for Peace and Education, Indian Orthopaedic Association's International INOR-UK award, Rotary Club's Family Community Service Award. He has been honoured by various professional bodies like the IMA, Indian Orthopaedic Association and others.